

तक्षशिला - फणीश सिंह पुस्तक वृत्ति
2025

में
डॉ. गगन कुमार
का चयन

सरहद, (अ)शासन और फरार औरतें :1850-2020

विषय पर किताब लिखने के लिए के लिए किया गया है।

इस किताब का इरादा पंजाब और बलूचिस्तान के सरहदी इलाकों में राज्य निर्माण, कानून व्यवस्था और सरहदों के बनने-बिगड़ने की कहानी कहने का है। इतिहास में प्रायः गुमशुदा औरतों की यौनिकता को काबू करके राज कायम करने और सरहदों को स्थिर करने की अंग्रेजी हुकूमत की तरकीबों की पड़ताल एक अगवा की गई पठान औरत मुसम्मात लोहानी की कहानी के जरिए की जाएगी।



चयन की घोषणा

Dear CSH colleagues,

It is my great pleasure to share the news of the award of prestigious book writing fellowship (Takshila Phanish Singh Book Fellowship 2025 for writing, research in Hindi)

The English translation of the title of this proposed book is: **Borderland, (mis)rule, and run-away women: 1850-2020**

I would like to thank Prof. Odile and the entire CSH for the support during the last one year. I would particularly like to thank Shambhavi, Hugo, Jonathan and Joel without their encouragement things would have been different.

May the new year bring joy and fulfillment for all of us.

तक्षशिला - फणीश सिंह पुस्तक वृत्ति
2025

के तहत देश के विभिन्न प्रान्तों से 88 प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनमें से दूसरे चरण में 15 प्रस्तावों पर विचार किया गया और आखिरी चरण के लिए 4 प्रस्ताव चुने गए। उनमें डॉ. गगन कुमार का प्रस्ताव चुना गया है।

डॉ. गगन कुमार ज़िंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत में असोसिएट प्रोफेसर होने के साथ सेंटर दे साइंस ह्यूमेन, नई दिल्ली में अतिथि शोधकर्ता हैं।

निर्णायक मंडल के सदस्य फ़राह नकवी, निवेदिता मेनन, प्रताप भानु मेहता एवं सतीश देशपांडे हैं और संयोजक अपूर्वानंद हैं।



चयन की घोषणा

तक्षशिला - फणीश सिंह पुस्तक वृत्ति
2025

की स्थापना
लेखक, वकील, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता

डॉ. फणीश सिंह (1941-2020)

की स्मृति में
हिन्दी में उत्कृष्ट शोधपरक कथेतर लेखन
के लिए तक्षशिला एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा की गई है।

हर साल दिसम्बर में इस पुस्तक वृत्ति के
चयन की घोषणा की जाती है।



चयन की घोषणा